कथन

तुमने कहा था कि नयनों से चले आना तुम
नयनों से आया तो पलकों में बन्द हो गया।
अन्तर छुआ तो चित चातक सा प्यासा हुआ,
प्राणों को छुआ तो प्राणों की सुगन्ध हो गया।
बाइबिल कुरान की आयतों को छु लिया तो,
रामचरितमानस का एक छन्द हो गया।
अधरों पर आया तो थोड़ा सा थरथराया
और गुनगुनाया तो मैं गुरुग्रन्थ हो गया।